**KEY ANSWER**

कक्षा: 10वी

# रचनात्मक मूल्यांकन 3

अंक: 20

विषय: तृतीय भाषा हिन्दी

समय: 45 मिनीट

**I.**

1. ನಾವು ತಮಗೆ ಬಂದು ಹೋಗಲು ಪ್ರಥಮ ದರ್ಜೆಯ ಪ್ರಯಾಣದ ವೆಚ್ಚವನ್ನು ಕೊಡುತ್ತೇವೆ.

**II.** 2. पेड़ – पेड़ 3. पत्ती – पत्तियाँ

**III.** 4. उत्तर: गाजर भी पहले गरीबों के पेट भरने की चीज थी।

**IV.** 5. बढ़ना × घटना 6. स्थिर × अस्थिर

**V.**

7. ईमानदार डेलीगेट ने यह सुझाव दिया कि, एक चप्पल यहाँ उतारिएँ तो दूसरी दस फीट । तब चप्पले चोरी नहीं होती । एक ही जगह में जोडी होगी तो कोयी पहन लेगा मैने ऐसे ही किया था ।

8. पंजर में चार पैरों पर हड्डियाँ पड़ी है, उसी तरह चार मोटे गोले जमीन में गाडकर उन पर पतली और लंबी लकडियों से छप्पर का पंजर बना लो इस प्रकार भैंस के पंजर से दोस्तों को जानकारी मिली।

9. प्रति क्षण सु समय मानकर काम करना चाहिए, काम करने का जो अवकाश आलस और बहाना बनाना छोड़कर मेहनत मिलता है उसे नष्ट ना करने के बदले आलस और बहाना बनाना छोड़कर मेहनत से काम करना चाहिए ।

अथवा

साधोराम अचानक एक दिन चलती बस से गिरकर उसे खतरनाक चोट लग गई। एवं वर्ड प्रोसेसर पर उनका काम सँभालने के लिए भी धीरज सक्सेना को बुद्धिमान रोबोट की जरूरत इसलिए थी ।

**VI.**

10. लेखक को अनुभव हुआ कि डेलीगेट सज्जन या ईमानदार कहनेवाले व्यक्तियों पर भी विश्वास रखना नहीं चाहिए क्योंकि वे हमारे साथ ही सज्जनों की तरह रहते हैं और बात करते है, लेकिन बेईमान की काम करते है। ऐसी ही डेलीगेट या सज्जनों ने लेखक के चप्पल, चादर, चश्मा, कंबल भी चोरी की ।

अथवा

अप लोग जरा मेरी पीथ की पत्तियान से देखें लो। फिर जी बेडोन सी को चापर पर उच्च राह डो जी जी पर पेटी है। इस प्रकार मछली ने मित्रों के प्रश्न का उत्तर दिया।

11. रोबोनिल और रोबोदीप ने रोबोटिक यूनियन में जाकर धीरज सक्सेना के नौकर साधोराम के बारे में सब कुछ बता दिया। इन सब बातों को सुनकर अध्यक्ष ने संघ कार्यकारिणी की आपात बैठक बुलाई। बैठक में निर्णय लिया गया कि सभी रोबोटिक कंपनियों के कार्यशील रोबोटों को हड़ताल पर बुलाया जाए। संबद्ध कंपनियों के स्वामियों में हड़कंप मच गया।

अथवा

प्रतिक्षण सु समय मनकर्ण कर्ण कर्ण। अपनी ताकत को जानकर आत्म विश्वास से काम लेना चाहिए। नहीं तो पछताना पड़ेगा क्योंकि बीता हुआ समय कभी वापस नहीं आता।

Downloaded from scoringtarget.com

**VII.**

महात्मा गांधी छात्रावास

संत कबीर नगर, मेरठ

29 जुलाई 2022

प्रिय मनोज,

हमेशा प्रसन्न रहो।

आपका लिखा हुआ पिछला पत्र ठीक समय पर मुझे मिला, पर अत्यधिक व्यस्तता के कारण मैं उस पत्र का उत्तर नहीं दे पाया। मुझे आशा है कि आप इसे बुरा नहीं मानेंगे।

मुझे अभी-अभी पिताजी का पत्र मिला है, जिससे मैं बहुत चिंतित हूँ। पिताजी को अपने एक मित्र के माध्यम से पता चला है कि आप अपनी पढ़ाई सही लिख रहे हैं। यह पता चला है कि आप अपना अधिकांश समय फिल्मों, गपशप, मनोरंजन और खेलों में बिताते हैं।

तुम जानते हो कि पिता हमारे लिए साधन जुटाने के लिए दिन-रात मेहनत करता है। ऐसी स्थिति में यदि हम अपनी मेहनत की कमाई और अपने समय का सदुपयोग नहीं करेंगे तो यह पिताजी के साथ बहुत नाइंसाफी होगी।

सिनेमा जाना और फिल्में देखना, गपशप देखना और लड़ाई-झगड़ा करना बुरा नहीं है। अर वाई भी शामा तो तुम्हारा खक्षिक का है आवर आश्य अच्चाय अच्चाय का है। ऐसे में आपको पढ़ाई लिखाई पर ध्यान देना चाहिए।

आशा है कि हम भविष्य में आपसे ऐसा कुछ नहीं सुनेंगे और आप कड़ी मेहनत करेंगे और अच्छे अंकों से परीक्षा पास करेंगे।

मेरे लिखे इस पत्र का उत्तर दो और पिताजी को पत्र भी लिखो।

आपके दादाजी,

संदीप कुमार सिंह

Downloaded from scoringtarget.com